༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲུན་དཔེ་ཆོག་ལྟེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2PD17482	***ImageGroup:***	I2PD19880
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	བླ་མ་དགོངས་འདུས། bla ma dgongs 'dus/
Author:	སངས་རྒྱས་གླིང་པ sangs rgyas gling pa
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	6
Total Volumes:	10
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, Southwest University of Nationalities, Chengdu, China.

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཨཱཀཱཤཾ ཨཱཀཱཤཾ ཨཱཀཱཤཾ

ॐ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐོབ་པ་དང་། ཡང་དག་པར་ཞུགས་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐོབ་པ་དང་། ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐོབ་པ་དང་། ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ

ཀཀ

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ་

ॐ ॥ ॥ ॥

ཀཱཀཱཀཱ

ह्रीमावाहनीपाद्यार्घ्याचमनीयस्नानवस्त्रोपवीतगन्धपुष्पधूपदीपनैवेद्यताम्बूलपूगीफलदक्षिणाभिः
श्रीमहालक्ष्मीं पूजयामि नमः ॥

ཀཱཡཱཏྨཱ། ཨཱཏྨཱཡཱཏྨཱ། ཨཱཏྨཱཡཱཏྨཱ། ཨཱཏྨ

ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱེད་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सौः जगत्सृष्टिकर्त्रीभ्यां ब्रह्मविष्णुरुद्रेभ्यो नमः

३७५

ॐ

ॐ ॥ श्रीसर्वज्ञाय नमः ॥ ॥ ॥

ॐ श्रीवाणीविलासाय नमः वक्तानुग्रहीत्र्यै नमः वक्त्रेशीत्रिपुरायै नमः
श्रीमद्राज्ञीमहात्रिपुरसुन्दरीपादुकाभ्यां नमः ॐ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायाय महाविद्याराजाय
महारोद्राय महाभैरवरूपिणे भूतवेतालपरिवृताय ॐ हुं हुं हुं फट् फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཏ་ཨཱ་ཏ་ཝཱ་ཧི་ཏཱ་ཡ

ह्रावाःनेयोयाःगुवायायाःगुवः वयवाःनेहेःगोःवयवाःक्वेःनेयः ध्वःनाःह्रावःनेहेःगोःगुवःनाः श्रीःवःगवायाःगुवयः पुःगुःगुःनाः

गःदेःवेःनुःदेःगोःह्रःनायायाःवह्रःनायः

ह्यावा।नोमोपगुपापापापः वलनानङ्गीनापकेनोपानावगाङ्गीवाणापाकुपवा
ङ्गीपाङ्गनापः नापपावाङ्गीनाङ्गुवाङ्गीनावाङ्गिनिङ्गीपाङ्गावाङ्गुङ्गनापाङ्गिः

ॐ ह्रां वां लों भां पद्मयां यां वां ॐ वज्रानां तीं व्यां कों भां ह्रीं वां धां मां छीं व्वां लां पां पुष्पवां ह्रीं लों भां
ह्रां वां ॐ

X 30193

ཀ་ཀ་ཀ་

ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཀ

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ

ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞལ་ནས་ཀྱང་།།

ཀཱཀཱཀཱ

ཀྱི་ཡང་ཡང་ཡང

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ཨ་ཀ་ཏ་ཡ་ཨ་ཀ་ཏ་ཡ་ཨ་ཀ་ཏ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨ་ནཱ་ཏྨ་ཀ་ཨ་ནཱ་ཏྨ་ཀ་ཨ་ནཱ་ཏྨ་ཀ

ཀཱཾ ཀཱིཾ ཀཱུཾ ཀྲཱཾ

४४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो नारायणाय

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེངས་

ॐ ॥ ॥ ॥

ཀཱཀཱཀཱ

ཀཀ ཀ

XXX

ཀུལ་ཀྱི་ཁྱུ་ཁུག་ཁུག་ཁུག

ॐ॥ ॥ ॥

xxx

ཀྱེ་ཨེ་མ་ཧོ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ལཱ་ཡ་ཛྙཱ་ན་ཨ་ན་བྷོ་ག་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ལཱ་ཡ་ཛྙཱ་ན་ཨ་ན་བྷོ་ག་ཏྲི་ཀཱ་ལ་ཨ་ན་བྷི་ཛྙ་ཏཱ་ཡཱ་ཨ་ཧཾ་ཀཱ་ར་ཨ་ཧཾ་ཀཱ་ར་ཨ་ཧཾ་ཀཱ་ར

ॐनमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे ॐ हिलि हिलि किलि किलि विलि विलि चिलि चिलि मिलि मिलि बुद्धबोधय बोधय मुञ्चमुञ्च भगवन्तं वज्रपाणिं मोचयमोचय सर्वतथागताधिष्ठितो मम शरीरे प्रविश प्रविश सर्वतथागतहृदयाधिष्ठितोऽसि मम हृदये तिष्ठ तिष्ठ सर्वतथागतवाक्यमनुपालय मम सर्वकर्माणि साधय साधय सर्वतथागतसमयमनुरक्षय मां च परिपालय

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे
त्रिभुवनभयजनकाय त्रिभुवनसंहारकाय त्रिभुवनरक्षणकाय त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनविजयाय
त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनविजयाय त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनविजयाय त्रिभुवनविजयिने
त्रिभुवनविजयाय त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनविजय

ཀ་ཁ་ཅ་ཆ་ཏ་ཐ་ཤ་

ཞེས་པའི་ཚིག་གཉིས་ཀྱིས། རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ།
རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ།
ཞེས་པའི་ཚིག་གཉིས་ཀྱིས། རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ།
ཞེས་པའི་ཚིག་གཉིས་ཀྱིས། རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཏེ།

ཀ་ཀ་ཀ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨིན་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་རོ།།
ཇི་སྲིད་ནམ་མཁའ་ཡོངས་སུ་ཟད་པ་དང་།
སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་མཐའ་ཡོངས་སུ་ཟད་པ་དང་།
སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ལས་དང་ཉོན་མོངས་པ་ཡོངས་སུ་ཟད་པ་དང་།
སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཡོངས་སུ་ཟད་པ་དང་།
སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྤྱོད་ཡུལ

ॐ ह्रीं श्रीं परमब्रह्मणे नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमात्मने नमः ॐ ह्रीं श्रीं निर्मलाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं शुद्धाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं बुद्धाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरञ्जनाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निर्विकल्पाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निराभासाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरामयाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरवद्याय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निष्कलङ्काय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निष्कषायाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निष्प्रपञ्चाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निर्गुणाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निर्मोहाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपद्रवाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपप्लवाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपाधिकाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपमाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं नित्याय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निराधाराय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरालम्बाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरवयवाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरीहाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपप्लवाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपाधिकाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरुपमाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं नित्याय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निराधाराय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरालम्बाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरवयवाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं निरीहाय नमः

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཏུ་ལྱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते प्रज्ञापारमितायै ॥ ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ नमः सर्वबुद्धबोधिसत्त्वेभ्यः ॥ नमः आर्यप्रज्ञापारमितायै ॥
ॐ नमो भगवत्यै आर्यप्रज्ञापारमितायै ॥ आर्यावलोकितेश्वरो बोधिसत्त्वो महासत्त्वो महाकारुणिको
व्यवलोकयति स्म ॥ पश्यति स्म पञ्चस्कन्धास्तांश्च स्वभावशून्यान् ॥ तद्यथा ॥ रूपं शून्यता शून्यतैव रूपं
रूपान्न पृथक् शून्यता शून्यतायाश्च न पृथग्रूपं यद्रूपं सा शून्यता या शून्यता तद्रूपं ॥ एवं वेदना
संज्ञा संस्कारा विज्ञानं शून्यता शून्यतैव विज्ञानं विज्ञानान्न पृथक् शून्यता शून्यतायाश्च न पृथग्विज्ञानं
यद्विज्ञानं सा शून्यता या शून्यता तद्विज्ञानं ॥ इहायुष्मन् शारिपुत्र सर्वधर्माणां शून्यतालक्षणानां
नोत्पादो न निरोधो न संक्लेशो न व्यवदानं न हानिर्न वृद्धिः ॥ तत्कस्य हेतोः ॥ शून्यतायां
शारिपुत्र न रूपं न वेदना न संज्ञा न संस्कारा न विज्ञानं ॥ न चक्षुः श्रोत्रं न घ्राणं न जिह्वा न कायो
न मनः ॥ न रूपं न शब्दो न गन्धो न रसो न स्प्रष्टव्यं न धर्माः ॥ न चक्षुर्धातुर्यावन्न मनोविज्ञानधातुः ॥
न अविद्या न अविद्याक्षयो यावन्न जरामरणं न जरामरणक्षयो ॥ न दुःखं न समुदयो न निरोधो न मार्गो
न ज्ञानं न प्राप्तिः ॥ अप्राप्तिर्बोधिसत्त्वस्य प्रज्ञापारमितामाश्रित्य विहरति स्म ॥ चित्तावरणः ॥
चित्तावरणनास्तित्वादत्रस्तो विपर्यासातिक्रान्तो निष्ठनिर्वाणप्राप्तः ॥ त्रैधातुकव्यवस्थिताः सर्वबुद्धाः
प्रज्ञापारमितामाश्रित्य अनुत्तरां सम्यक्संबोधिमभिसंबुद्धाः ॥ तस्मात्तर्हि शारिपुत्र बोधिसत्त्वेन
महासत्त्वेन प्रज्ञापारमितायां चरितव्यं ॥ एवं चरितव्यं यथा बोधिसत्त्वो महासत्त्वो गम्भीरायां
प्रज्ञापारमितायां चरन् ॥ यत्किंचिद्दृष्टं श्रुतं मतं विज्ञातं ॥ तत्र नोपलभते ॥ तत्र न पश्यति न शृणोति
न मनसि करोति न विजानाति ॥ तत्कस्य हेतोः ॥ अनुपलब्धिः ॥ अनुपलब्धिः ॥ अनुपलब्धिः ॥ अनुपलब्धिः ॥

ཨཱཿཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཨོཾ

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་མ་ནོ་བུ་དྷྱ་ཏཱ་མ་ཡཱ་ཏ་ཡཱ་ཡཱ་ཏ་ཡཱ་ཡཱ་ཏ་ཡཱ

ཀཱཾ ཀཱཾ ཀཱཾ

ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय

ཀྱི་ཡང་ཡང་ཡང

ཀཱཾ ཀཱིཾ ཀཱུཾ ཀྲཱཾ

ཀུན་ཀྱང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཁྱོད་ཉི

ཨོཾ། གཡའཏུཝཻཀཱིཡཱཡཱ། ཝཱུཏཱཡཱཧཱིཏཱཡཱ། ཝཱཡཱཝེཏཱཡཱཏུཏཱཡཱཏཱཏཱཡཱ། ཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱ། ཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱ།
ཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཡཱ། ཡཱཡཱ། ཏཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡ

ཀུ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ

ཀྱེ་ཤ་ལ་ཨ་ཀ་ཤི་ཏ་ཨ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ

ཀཀ།

ཁཁ།

ཤྲཱི་ཧེ་རུ་ཀ་ཡ་ནཱ་མ་ཨ་ཥྚ་ཤ་ཏ་ཀ།

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय

ཤིཝཱཡ། ཤིཝཱཡ། ཤིཝཱཡ།

ཤེས་རབ་

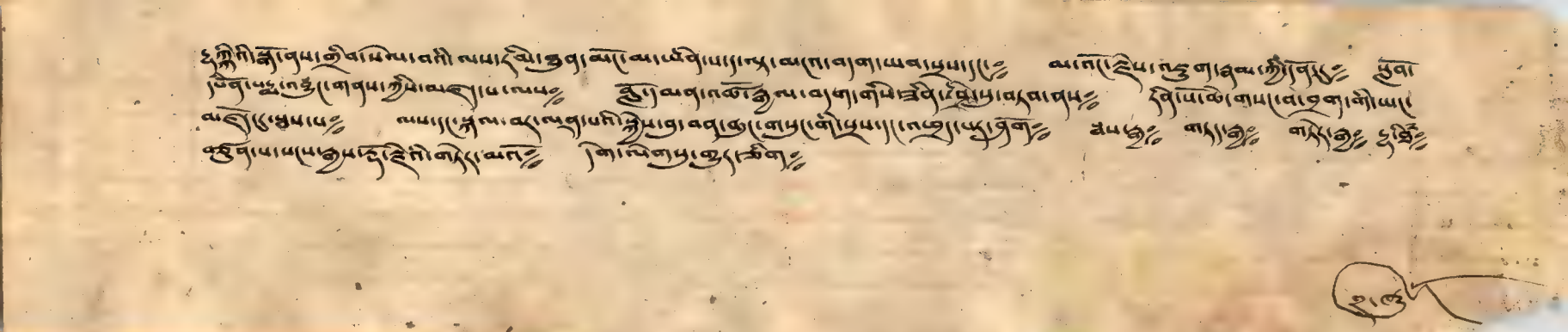

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཏུ་ལྱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ཀྱི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྤྱོད་པ་ལ་ཞུགས་པ་ཡིན་ནོ། ། ཀྱི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྤྱོད་པ་ལ་ཞུགས་པ་ཡིན་ནོ། ། ཀྱི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྤྱོད་པ་ལ་ཞུགས་པ་ཡིན་ནོ། ། ཀྱི་
ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྤྱོད་པ་ལ་ཞུགས་པ་ཡིན་ནོ། ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡོངས་སུ་རྫོ

ཀཀཀ

ཀྱི་ཚུལ་ཏེ། ཁོ་ཚོ་ཀུན་ཀྱང་། ཁྱོད་ཀྱི་ཞལ་ཏེ་ཁ་ཡ

४४४४

[illegible]

ཤ་ཟའི་ཁྱིམ་ཚང་ཆེན་པོ་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡང་ཤ་ཟ

ཡིན་ཏེ་ཐབས་ཤེས་ཀུན་ལས་བཏུས་པའོ།། ཇི་ལྟར་ཡང་ཞེ་ན། ཐབས་ཤེས་ཀུན་ལས་བཏུས་པ་ལས་ཀྱང་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ཏེ

ཀ།

ཀཀཀཀ

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

४५४८३

ཁཁཁ

ཀ་ཀ་ཀ་

॥ ॥ ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ अथ श्रीगुरुचरित्रारंभः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वत्यै नमः ॥ श्रीकुलदैवतायै नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीसीतारामाभ्यां नमः ॥ श्रीलक्ष्मीनृसिंहाभ्यां नमः ॥ श्रीउमामहेश्वराभ्यां नमः ॥ श्रीवाणीहिरण्यगर्भाभ्यां नमः ॥ श्रीलक्ष्मीविष्णुभ्यां नमः ॥ श्रीशचीपुरंदराभ्यां नमः ॥ श्रीअरुंधतीवसिष्ठाभ्यां नमः ॥ श्रीअनसूयात्रिभ्यां नमः ॥ श्रीसावित्रीसत्यवद्भ्यां नमः ॥ श्रीरतिमन्मथाभ्यां नमः ॥ श्रीलोपामुद्राअगस्तिभ्यां नमः ॥ श्रीसुवर्चलासूर्याभ्यां नमः ॥ श्रीसंज्ञामार्तंडाभ्यां नमः ॥ श्रीसुकेशीविश्वेदेवेभ्यो नमः ॥ श्रीस्वाहाअग्निभ्यां नमः ॥ श्रीरोहिणीशशिभ्यां नमः ॥ श्रीअहल्याशक्रभ्यां नमः ॥ श्रीशतरूपामनुभ्यां नमः ॥ श्रीसुनीतिध्रुवाभ्यां नमः ॥ श्रीसुरुचिउत्तानपादाभ्यां नमः ॥ श्रीसुदक्षिणाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीमेनाहिमवद्भ्यां नमः ॥ श्रीअदितिकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीदितिकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीदनुकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीकालकाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीविनताकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीताम्रकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीक्रोधाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीक्रोधवशाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीसुरभिकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीइलाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीमुनिकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीकद्रूकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीपतंगकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीयामिनीकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीपद्मकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीअक्षयकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीजयाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीविजयाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीजीवाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीविनीताकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीकपिलाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीशबलाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीअरिष्टाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीसुरसाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीखसाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीसुलसाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीसुरेखाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीप्रधाकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीदनायुकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीदनुकश्यपाभ्यां नमः ॥ श्रीअरिष्ट

xxxxx

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡུམ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།།

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ཀཱ་ཏན་ཏྲ།

ཀ

ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱེད་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱེད་རང་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ང་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ངའི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ངའི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ངའ

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ཀཀ

॥ ग्रथनिर्णयपत्रम् ॥